बैठक

कलेक्टर श्री नारायन ने दिये प्रभावी कार्रवाई के निर्देश

खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण पर सख्ती के लिए जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

नवभारत न्यूज
छिंदवाड़ा, 12 फरवरी, जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गठित जिला टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक आज कलेक्टर हरेंद्र नारायन की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के मिनी सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में पेंच टाइगर रिजर्व, वन विभाग, परिवहन विभाग तथा मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी, टास्क फोर्स के सचिव सह संयोजक जिला खनिज अधिकारी एवं समिति के सचिव रविंद्र परमार सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक में जिले में संचालित खनिज गतिविधियों की समीक्षा करते हुए अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के मामलों पर प्रभावी कार्यवाही के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।

कलेक्टर श्री नारायन ने स्पष्ट किया है कि प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और अवैध खनिज गतिविधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध निरंतर और संयुक्त रूप से अभियान चलाया जाए। राजस्व, पुलिस, खनिज, वन एवं परिवहन विभाग समन्वय स्थापित कर नियमित निरीक्षण एवं आकस्मिक कार्रवाई सुनिश्चित करें। अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए तथा जब्त किए गए वाहनों एवं खनिज सामग्री के प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सूचना तंत्र को मजबूत करने और संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि बिना अनुमति खनिज भंडारण पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला खनिज अधिकारी रविंद्र परमार ने जानकारी दी कि पूर्व में की गई कार्रवाई के तहत कई प्रकरण दर्ज कर राजस्व वसूली की गई है। जारी वित्तीय वर्ष में अवैध उत्खनन के 102 प्रकरण दर्ज कर अर्थदंड राशि 22 लाख 32 हजार की वसूली की गई, अवैध परिवहन के 238 प्रकरण दर्ज कर अर्थदंड राशि 1 करोड़ 95 लाख की वसूली की गई है और अवैध भंडारण के 30 प्रकरण दर्ज कर अर्थदंड राशि 2 लाख 40 हजार की वसूली की गई है।

कलेक्टर ने ली राजस्व विभाग की मासिक समीक्षा बैठक

नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन सहित राजस्व के सभी प्रकरणों का समय सीमा में हो निराकरण-कलेक्टर श्री नारायन

नवभारत न्यूज
छिंदवाड़ा, 12 फरवरी, कलेक्टर हरेंद्र नारायन की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के समस्त राजस्व अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अपर कलेक्टर धीरेन्द्र सिंह, जिला मुख्यालय के सभी संयुक्त कलेक्टर एवं डिप्टी कलेक्टर सहित जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, खनिज अधिकारी एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में राजस्व विभाग से संबंधित विभिन्न एजेंडा बिंदुओं की बिंदुवार समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

अवैध उत्खनन पर प्रभावी नियंत्रण के निर्देश

कलेक्टर श्री नारायन ने अवैध उत्खनन के प्रकरणों में अपेक्षित प्रगति न होने पर असंतोष व्यक्त करते हुए कड़े निर्देश दिए कि खनिज और राजस्व का अमला नियमित रूप से संयुक्त कार्रवाई सुनिश्चित करे। उन्होंने तहसीलदारों को निर्देशित किया कि वे पटवारी एवं राजस्व निरीक्षकों के माध्यम से सतत निगरानी रखते हुए स्वयं भी मैदानी भ्रमण कर स्थिति का आकलन करें। खनिज अधिकारी को निर्देश दिए गए कि अवैध खनन के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर अधिकाधिक प्रकरण पंजीबद्ध किए जाएं तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

वनाधिकार दावों की सतत मॉनिटरिंग

वनाधिकार अधिनियम के अंतर्गत सामुदायिक एवं व्यक्तिगत दावों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री नारायन ने निर्देशित किया कि वन विभाग द्वारा अमान्य किए गए दावों के कारणों का विश्लेषण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग कर उनका शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध लाभ प्राप्त हो सके।

सर्पदंश से मृत्यु के प्रकरणों की गहन समीक्षा

बैठक में सर्पदंश से हो रही मृत्यु की घटनाओं की भी समीक्षा की गई। अप्रैल 2025 से अब तक 50 से अधिक व्यक्तियों की मृत्यु सर्पदंश से होने पर चिंता व्यक्त की गई। कलेक्टर श्री नारायन ने निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण की विस्तृत जांच की जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि मृत्यु के कारणों का समुचित विश्लेषण कर आवश्यक सुधारात्मक उपाय किए जाएं। साथ ही सर्प दंश से बचाव के संबंध में ग्रामीणों के मध्य जागरूकता अभियान चलाया जाए।

राजस्व वसूली में प्रगति लाने के निर्देश

भू-राजस्व एवं अन्य मदों की मांग एवं वसूली की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री नारायन ने अधिकारियों को लक्ष्य अनुरूप वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबित प्रकरणों का समयसीमा में निराकरण कर राजस्व संग्रहण की गति बढ़ाई जाए।

जन शिकायतों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश

सीएम हेल्पलाइन एवं सीपी ग्राम पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री नारायन ने स्पष्ट किया कि जन शिकायतों का पारदर्शी एवं समयबद्ध निराकरण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देशित किया कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

फार्मर रजिस्ट्री एवं स्वामित्व योजना की समीक्षा

फार्मर रजिस्ट्री कार्य की समीक्षा के दौरान जिन तहसीलों में प्रगति अपेक्षाकृत धीमी पाई गई, वहां विशेष अभियान चलाकर कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। स्वामित्व योजना अंतर्गत दो वर्ष से अधिक समय से लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री नारायन ने निर्देशित किया कि तकनीकी कारणों से लंबित मामलों का निराकरण जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक (डीईजीएम) द्वारा प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। साथ ही अधिकारियों के न्यायालय में लंबित प्रकरणों, जिनमें अब तक कोई उल्लेखनीय प्रगति दर्ज नहीं की गई है, उनमें त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अन्य विषयों की समीक्षा

बैठक में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, साइबर तहसील प्रकरण, ग्राउंड ट्रुथिंग, स्वामित्व आबादी सर्वेक्षण, भू-अभिलेखों का डिजिटाइजेशन, लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत प्रकरण, प्राकृतिक आपदा के अंतर्गत आरबीसी 6(4) में राहत वितरण, माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में लंबित याचिकाएं एवं अवमानना प्रकरण तथा भू-अर्जन से संबंधित मामलों की भी विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री नारायन ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने प्रभार क्षेत्रों में नियमित भ्रमण कर पूरी जानकारी रखें, हर परिस्थिति का आंकलन रहे तथा मामलों के निराकरण के लिये ठोस एवं प्रभावी कार्यवाही की जाए।

आखिर क्यों अन्य भूमाफियाओं के अवैध लेआऊट पर नहीं चल रहा लेडिंज सिंग का बुलडोजर ?

नवभारत न्यूज
पांढुर्णा, 12 फरवरी, कृषि उपज भूमि पर अवैध प्लाट बेचने वाले इन कॉलोनियों एवं शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ राजस्व विभाग द्वारा जिस आक्रामक अंदाज में कार्यवाही शुरू की गई थी,इसे देख लग रहा था कि अब जिले में पांव पसार रहे भू माफियाओं की शामत आना तय है,लेकिन महज दो जगहों पर बुलडोजर चलाने के बाद अब इस तरह की कार्यवाही पूरी तरह बंद होने से विभाग के अधिकारियों की शिथिल कार्यप्रणाली को देख जिले में कई तरह की अटकले लगाई जा रहीं है।

भूमाफिया खुलेआम कृषि भूमि पर बना रहे अवैध कॉलोनी

गौरतलब हो कि पांढुरना जिला अस्तित्व में आने के बाद यहां के जमीनों के भाव आसमान छूने लगे है,जिसे देख भूमाफियाओं द्वारा नगर तथा नगरीय सीमा से लगे ग्रामों की कृषि भूमि को किसानों से सौदा पत्र पर खरीदी बिक्री करने के बाद इस कृषि भूमि पर अवैध प्लाटिंग बनाकर बिना किसी मुलभूत सुविधाओं के भोले भाले लोगों को लाखों में प्लाट बेचे जा रहे है।

फिर कुभकर्णी निंद में सो गए

भूमाफियाओं के इन अवैध कारोबार के तथ्यपूर्ण समाचार प्रमुखता से प्रकाशित कर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया था,जिसे देख देर आए दूरूस्त आए की तर्ज पर ही सहीं 2 फरवरी को एसडीएम अलका इक्का के नेतृत्व में राजस्व एवं नपा के अतिक्रमण तोड़ू दस्ते द्वारा नगर के अमरावती मार्ग के जवाहर वार्ड के अवैध लेआउट पर स्वयं एसडीएम अलका इक्का द्वारा जेसीबी मशीन चलाते हुए इस अवैध कॉलोनी पर प्लाटिंग के लिए लगाए गए पोल तथा कच्ची सडक़ को समतल किया था। लेकिन इसके बाद कहीं भी कोई कार्यवाहीं नहीं हो रहीं है,कुभकर्णी निंद में सोए हुए अधिकारियों की निंद फिर से कब खुलेंगी इस और सभी कि निगाहें लगी हुई है ।

अन्य शासकीय भूमि कब होंगी मुक्त

इसी प्रकार 4 फरवरी को तहसीलदार विनय प्रकाश ठाकुर द्वारा नगरीय सीमा से लगे ग्राम राजोराकला में पहुंचकर यहां की 6 हजार वर्गफीट की शासकीय जमीन पर मुरलीधर टोम्पे द्वारा अवैध कब्जा कर बांडी वॉल बनाकर यहां मकान बनाते देख इसके अवैध अतिक्रमण को भी सख्ती से हटाया। लेकिन इसी तरह का कब्जा कई भू माफियाओं द्वारा अन्य बेशकीमती शासकीय भूमि पर किया हुआ है,प्रशासन के अधिकारी इन शासकीय भूमियों से माफियाओं को कब मुक्त करेंगे इस और भी सभी कि निगाहें लगी है ।

सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ विडियो

इन कार्यवाही को देख लगने लगा था कि अब जिले के भू माफियाओं के इन अवैध कारोबार पर सख्ती से कार्यवाही होंगी,यहां तक की एसडीएम अलका इक्का द्वारा अवैध कॉलोनी पर स्वयं जेसीबी चलाने का विडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर जिले,संभाग तथा प्रदेश तक के लोगों द्वारा मैडम को लेडिज सिंगम की उपाधि देंने लगे है ।

नगर सहित गावों में भी अवैध लेआऊट

प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो नगर सहित आसपास के ग्रामों की कृषि भूमि पर बिना कोई परिवर्तन किए अवैध लेआऊट बनकार प्लांट बेचे जा रहा है,आखिर प्रशासन इन अवैध कॉलोनियों के कारोबारियों पर क्यों कार्यवाही नहीं कर पा रहीं इस बात को लेकर कई तरह के अटकले लगाई जा रहीं है ।

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय सिंगोड़ी में फुटबॉल वितरण कार्यक्रम संपन्न

नवभारत न्यूज
छिंदवाड़ा, 12 फरवरी, जिले के पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय सिंगोड़ी में आज गुरूवार को विद्यालय के खेल प्रांगण में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार एवं स्वद्धस्व के सहयोग से आयोजित फुटबॉल वितरण के लिए जिला स्तर पर चयनित नोडल सेन्टर पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय सिंगोड़ी में फुटबॉल वितरण का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी सुश्री विनिता नेटी (ब्रांड एम्बेसेडर स्वच्छ भारत अभियान छिन्दवाड़ा) एवं गणमान्य अतिथियों तथा विद्यालय प्राचार्य डॉ.सी.एस. पानकर के आतिथ्य में माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय की छात्राओं द्वारा मधुर स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया तथा विद्यालय प्राचार्य द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। तत्पश्चात रंगारंग कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

इसके बाद सूचिबद्ध शालाओं से उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा फुटबॉल वितरित की गई। इस दौरान विद्यालय के फुटबॉल खिलाड़ियों द्वारा रोमांचक खेल का प्रदर्शन किया गया। मैच का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुश्री नेटी द्वारा फुटबॉल किक कर किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुश्री नेटी ने अपने संबोधन में खेल के महत्व के साथ ही स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक एस.के.दहीवले द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

शासकीय सेवकों को नियमानुसार प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ समयमान वेतनमान स्वीकृत

नवभारत न्यूज
छिंदवाड़ा, 12 फरवरी, मध्यप्रदेश राज्य के सिविल सेवा के सदस्यों को सेवा में आगे बढाने के निश्चित अवसर उपलब्ध कराये जाने के लिये राज्य शासन द्वारा समयमान वेतनमान योजना को विस्तारित करते हुये शासकीय सेवकों को न्यूनतम चार उच्चतर समयमान वेतनमान उपलब्ध करायें जाने के निर्देश दिये गये है । मध्यप्रदेश शासन, वित विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के द्वारा समय-समय पर जारी परिपत्रों के अनुसार 10/20/30/35 वर्ष का सेवाकाल पूर्ण करने पर प्रथम नियुक्ति दिनांक से प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ समयमान वेतनमान के लिये सेवा अवधि की गणना किये जाने से संबंधित निर्देश दिये गये है।

कलेक्टर हरेंद्र नारायन ने बताया कि राज्य शासन के इन नियम-निर्देशों के अनुपालन में गठित समिति के कार्यवाही विवरण प्रतिवेदन 28 जनवरी 2026 के अनुसार जिला कार्यालय के अधीन कार्यरत राजस्व विभाग के शासकीय सेवकों को नियमानुसार प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ समयमान वेतनमान स्वीकृत किया गया है।

कलेक्टर श्री नारायन ने बताया कि 10 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर देय प्रथम समयमान वेतनमान के लिये 02 सहायक ग्रेड-3 श्रीमती उषा राउत व सुश्री सुशीला कनेश एवं 06 भृत्य राहुल रघुवंशी, अंकित पाल, श्रीमती बिसनिया उइके, श्रीमती बबीता भारती, श्रीमती सनवती भारती एवं सुश्री सनवती भारती पात्र कर्मचारी, 20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने में देय व्दितीय समयमान वेतनमान के लिये 01 सहायक ग्रेड-3 आलोक गुप्ता एवं 03 भृत्य श्रीमती कैलाशबाई नागौत्रा, राकेश राजपूत व कु.माधवी उर्फ पुष्पा, 30 वर्ष की सेवा पूर्ण करने में देय तृतीय समयमान वेतनमान के लिये 01 सहायक ग्रेड-3 नेतराम डेहरिया एवं 35 वर्ष की सेवा पूर्ण करने में देय चतुर्थ समयमान वेतनमान के लिये 01 सहायक ग्रेड-2 श्रीमती मनीषा डेहरिया, 02 सहायक ग्रेड-3 चन्द्रशेखर बंसोड़ व रामचरण बंजारा एवं 04 भृत्य गजानन डेहरिया, पुष्पराज उइके, रमेश पाल व श्रीमती सुकाली यादव पात्र कर्मचारी है।

आठ दुकानों ने नपा की टीम द्वारा जप्त की सिंगल यूज प्लास्टिक

जुर्माने की राशि वसूल कर भविष्य में बिक्री नहीं करने की दी हिदायत

नवभारत न्यूज
पांढुर्णा, 12 फरवरी, मानव जीवन के लिए अत्यंत हानिकारक सिंगल यूज प्लास्टिक के बिक्री पर सख्ती से लगाई गई पाबंदी के बावजूद नगर के कई स्थानों पर इसकी बिक्री की लगातार मिल रहीं शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला कलेक्टर के निर्देश पर मुख्य नपा अधिकारी के मार्गदर्शन में नपा के स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा गुरूवार को कई दुकानों का औचक निरीक्षण कर 8 दुकानों ने 2700 रुपये के जुर्माने की राशि वसूल की गई ।

सिंगल यूज प्लास्टिक की बिक्री पर सख्ती से पाबंदी लगाने जाने के जिला कलेक्टर के निर्देशों के परिपालन में गुरूवार को मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजकुमार इवनाती के मार्गदर्शन में नपा के स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा नगर के जय स्तंभ चौक के दुकानों का औचक निरीक्षण करने पर कुल 8 दुकानों ने यह सिंगल यूज प्लास्टिक जप्त कर इन दुकानों के व्यापारियों से 2700 रुपये के जुर्माने की राशि वसूल की गई साथ ही भविष्य में कभी भी इस सिंगल युज प्लास्टिक की बिक्री नहीं किए जाने की भी हिदायत दी गई है। नपा के स्वच्छता निरीक्षक संजय कवडे,स्वच्छता उपनिरीक्षक रविंद्र चौधरी तथा टीम को इस तरह कार्यवाहीं देख अन्य सिंगल युज प्लास्टिक की बिक्री करने वालों में हडक़ंप छाया रहा ।

खेती किसानी

अधिकतम 1650 रूपए क्विंटल खरीदा गया मक्का, किसानों को नहीं मिल रहे सही दाम

584 किसानों से खरीदा 25 हजार क्विंटल मक्का

नवभारत न्यूज
छिंदवाड़ा, 12 फरवरी, नीलामी कराने वाले निरीक्षकों और व्यापारियों की मिलीभगत से मक्के के भाव गति नहीं पकड़ रहे है। हालात यह है कि किसानों ने जरूरत के मुताबिक फसल बेचना शुरू कर दिया है।

बड़े किसानों ने अपनी फसल को रोकने में दिलचस्पी दिखाई है। इस साल मक्के के भाव किसानों को रूलाकर रख दिया है। मक्के के दाम 1350 से 1650 रूपए प्रति क्विंटल रखे गए है। वही गेहूं की आवक 1935 क्विंटल के साथ ठीक-ठाक रही। जिसकी नीलामी 1935 से 2000 रूपए प्रति क्विंटल बोली गई। इसी क्रम में सोयाबीन की आवक 273 क्विंटल पर पहुंच पाई। जिसके महज 4800 से 5345 रूपए प्रतिक्विंटल रहे। इसी तरह तुअरदाल की आवक 291 क्विटल तक जा पहुंची। जिसके दाम 6000-8141 रूपए प्रति क्विंटल रहे। हालांकि अभी किसान गेहूं की सिंचाई और अन्य कामों में लगा हुआ है। साथ ही वैवाहिक कार्यक्रम भी प्रारंभ हो गए है। इस लिहाज से किसान वैवाहिक कार्यक्रम और फसलों के काम निपटाने में लगा हुआ है। इस बार किसान ने कम समय वाली फसल लगाई है। जो आने वाले महीने के आखिरी तक पक जाएगी।

मक्के की नहीं की गाहनी

इधर किसानों को मक्के के दाम में आए दिन निराशा मिल रही है। किसान उम्मीद लगाकर बैठा है, कि आज ठीक ठाक दाम मिलेंगे। इसके बाद भी किसान को रोजाना भाव रूला रहे है। मक्के के दाम अधिकतम 1840 पर पहुंच पाए थे। इसके बाद से वापस 1650 पर आ गए है। ऐसे में किसानों ने मक्के की गाहनी करना उचित नहीं समझा। आज भी हजारों किसानों का मक्का खलिहान में रखा हुआ है। बेहतर दाम का रास्ता देख रहा है।

पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज
छिंदवाड़ा, 12 फरवरी, प्रधान मंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस छिंदवाड़ा में इको क्लब एवं प्राणिशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम 2025-26 के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गएद्य यह आयोजन भारत सरकार के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन एप्को भोपाल के सौजन्य से प्राचार्य डॉज़ लक्ष्मीचंद के मार्गदर्शन में इको क्लब प्रभारी डॉज़ ऋतु शर्मा द्वारा किया गया।

द्वितीय दिवस 10 फरवरी को स्टोन पेंटिंग किया गया, जिसमें ईशा मिनोचा, आस्था तांडेकर ,रिया परस्राम, शिवांगी परतैती, वैशाली उसरेठे आदि छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार प्राप्त किए। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र एवं ट्राफ़ी प्रदान की गई। प्रतियोगिताओं की निर्णायक प्रो. अर्चना भार्गव एवं डॉ शालिनी पाटिल ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर छात्रों से विस्तारपूर्वक चर्चा कीद्य आयोजन में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लियाद्य प्रतियोगिताओं के पश्चात इको प्रदर्शनी में छात्रों ने पेंट किए गए स्टोन, छात्रों द्वारा तैयार की गई केंचुआ खाद एवं जीवविविधता को प्रदर्शित करती हुई फोटोग्राफ्स आदि उत्पाद प्रदर्शन के लिए रखें जिसका अवलोकन महाविद्यालय के समस्त स्टाफ द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्रों ने महाविद्यालय परिसर को प्लास्टिक मुक्त रखने का संकल्प लेते हुए एक स्वच्छता अभियान शुरू किया , इसी क्रम में सभी विभागों में डस्टबिन का वितरण किया। अंत में कार्यक्रम प्रभारी डॉज़ रितु शर्मा द्वारा आभार ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संकल्प विश्वकर्मा, चंचलेश साहू, शिव उइके, भूमिका ध्रुवे, योगेश, अंशिका आदि छात्रों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।